सारांश

महान् प्रकृति-प्रेमी कवि जॉन कीट्स ने प्रस्तुत कविता 'आई हैड अ डव' को रचा है । कवि ने एक कबूतर पाला था जो शीघ्र ही मर गया । कवि ने सोचा कि वह दुःख से मर गया । लेकिन वह उसके मरने का कारण नहीं समझ पाया क्योंकि उसने उसकी बहुत प्यार से देख-रेख की थी । बाद में, वह इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि वह पक्षी अपनी स्वतंत्रता के छिन जाने के दुःख से मर गया ।